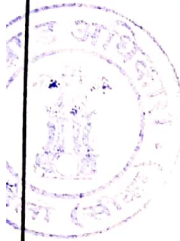


06  $\frac{12}{19}$

पत्रावली वास्ते आदेश आता पेश हुई। वकुलाप उच्चपक्ष उपर। प्रकरण में प्राप्ता टी. आई. पर वदस वकुलाप उच्चपक्ष पूर्व में चुनी जा चुकी है। परवन्त वदस वकील अर्धी ने अपने प्राप्ता में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए तदोपरोक्त कौनसे वाद अर्धीगण को अस्थाई निवेद्याला से पावेद फरमाये जाने का निवेदन किया। वकील अर्धी ने वदस के जवाब में अथ वकील अर्धी ने अपने जवाब प्राप्ता टी. आई. में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्राप्ता टी. आई. खारिज फरमानों का निवेदन किया।

पत्रावली पर उपलब्ध शपथ रिपोर्ट, प्राप्ता टी. आई. एवं जवाब प्राप्ता टी. आई. में अवलोकन किया गया एवं वदस वकुलाप उच्चपक्ष पर तर्कों मनन किया गया। अंतिम प्रकरण में विवादित ख. नं. 325/1 रकबा 1.06 है तब गांव साहिबावास पं. ह. गुरारा के अर्धीगण रिकार्डें खातेदार है तथा ख. नं. 325/2 रकबा 0.50 है तब गांव साहिबावास पं. ह. गुरारा का अर्धी सं. 1 रिकार्डें खातेदार है। अर्धी व अर्धी के अधिकारों के आधार पर मूल विवाद ख. नं. 325/2 के सम्बन्ध में है। ख. नं. 325/2 का अर्धी जरिये रिकार्डें विरुद्ध लेखा होता होकर रिकार्डें खातेदार है। अर्धी द्वारा अपनी खातेदारी धूमि 325/1 के



साध अर्पण सं. 1 325/2 की खातेदारी श्रुति  
325/2 को सम्मिलित करते हुए एकमहीप  
रूप से स्वयंम आदेश प्राप्त किया हुआ है  
जबकि अर्पण सं. 1 ने अर्पण की खातेदारी  
श्रुति 325/1 पर किसी प्रकार का कोई एक  
अधिकार जाहिर नहीं किया है। ख. नं. 325/2  
के सम्बन्ध में विवादित पक्षकारान के एक  
अधिकारों का निर्धारण मूल वाद पत्र में  
गुणागुण पर होना है। अतः प्राप्ति की अर्पण  
समी स्वर पर खारिज किया जाता है। फावली  
केवल शुमार टोका नम्बर से मग हो तथा  
वाद समील दाखिल हो। यह निर्णय भाद  
दिनांक 06/12/19 को मेरे द्वारा खुले  
आयालय में सुनाया गया।

(रंजीत सिंह)  
उपरवट अधिकारी RAS  
खण्डेला (सीमा)  
उपरवट अधिकारी  
खण्डेला (सीमा)